राजस्थान में होहोबा की खेती

*177. **श्री सोम पाल :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान के सहयोग से राजस्थान के रेंगिस्तानी क्षेत्रों में हो होबा की खेती करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या नीति तय की गयी है ?

(ग) कब तक इसकी बडे पैमाने पर खेती होने लगेगी ;

(घ) "होहोबा" नामक पौधे की प्रति एकड हैक्टेयर भूमि पर खेती से क्या-क्या उत्पाद उपलब्ध हो सकते हैं और उन्हें किन-किन प्रयोजनों हेतु उपयोग किया जा सकता है और

(ड.) उनसे कितनी आमदनी हो सकती है ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : (क) महोदय, राजस्थान सरकार का होहोबा (जोजोबा) की खेती का विस्तार राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में करने का कार्यक्रम है । केंद्रीय मरू क्षेत्र अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित टेक्नोलोजी की सहायता से इस पौधे को उगाया जा रहा है । केन्द्र सरकार की इस संबंध में कोई योजना नहीं है ।

(ख) और (ग) राजस्थान सरकार सन 2003 तक 50,000 हैक्टेयर क्षेत्र में किसानों के खेतों में होहोबा उगाना चाहती है । कार्यक्रम के अनुसार पौध की लागत में 50 प्रतिशत की सहायता (सबसीडी) देने और नवार्ड (एन-ए०बी-ए०आर० डी.) के माध्यम से इसके लिए ऋण की व्यवस्था करने का विचार है ।

(घ) इस पौधे के बीजों से आर्थिक उत्पाद प्राप्त होते है । बीजों से तरल मोम निकाला जाता है । बीजों में 50 प्रतिशत तरल मोम होता है । इसका मोम स्पर्म व्हेल तेल का उत्तम विकल्प है । इसका सबसे बडा इस्तेमाल अधिक रफ्तार से चलने वाली मशीन में चिकनाई (लूब्रिकैन्ट) के साधन (पुनर्नवीकरण साधन से) के रूप में होता है । प्रसाधन और औषध उद्योगों में भी इसका प्रयोग किया जाता है ।

(ड.) प्रति हेक्टर 1200 कि. ग्रा. बीजों की उपज से 600 कि. ग्रा. तरल मोम निकाला जा सकता है । यद्यपि इसे फसल को लगाने के तीसरे वर्ष में इसमें फूल आने लगते हैं और बीज बनने लगते हैं, पर अच्छी उपज 10वें साल से मिलनी शुरू होती है । पौधों की जीवन-अवधि लगभग 600 वर्ष की होती है और ये शुष्क जलवायु में 3–4 फुट तक ऊंचे होते हैं । सुरक्षित सिंचाई की स्थिति में फसल उगाने के 10 वर्ष बाद 1,20,00 रु. की आमदनी की आशा की जा सकती है । प्रति हैक्टेयर 1600 पौधे उगाने की सिफारिश की जाती है । इनमें से नर पौधों की संख्या 20 प्र. श. हों ।

Bringing Soptrs Disciplines under one Umbrella

*178. SHRI MD. SALIM:
SHRI M. A. BABY:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have any plan to bring all sports disciplines under one umbrella to give better attention to the development of all sports disciplines specially rural sports; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HUMAN RESORUCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) No, Sir. However, Government of India through its nodal agency Sports Authority of India plays a pivotal role in the promotion and develpment of